ONOS
एक राष्ट्र एक सदस्यता

https://www.onos.gov.in/

ओएनओएस पोर्टल इन्फ्लिबनेट केंद्र द्वारा विकसित एक केंद्रीकृत मंच है, जो इसकी विभिन्न शैक्षणिक और अनुसंधान सहायता सेवाओं तक निर्बाध पहुँच प्रदान करता है। पोर्टल उपयोगकर्ताओं - मुख्य रूप से विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों - को एक ही इंटरफ़ेस का उपयोग करके कई सेवाओं तक पहुंचने की अनुमति देकर नेविगेशन को सरल बनाता है, जिससे उपयोगिता, दक्षता और डिजिटल शैक्षणिक बुनियादी ढांचे तक सुरक्षित पहुंच बढ़ती हैं।

INFED
Indian Access Management Federation for Off-campus Access to E-resources

https://infed.inflibnet.ac.in/

इन्फ्लिबनेट केंद्र द्वारा विकसित इन्फ़ेड (भारतीय अभिगम प्रबंधन संघ), एक संघीकृत प्रमाणीकरण प्रणाली है जो पात्र संस्थानों के उपयोगकर्ताओं के लिए ओएनओएस सदस्यता वाले ई-संसाधनों तक सुरक्षित सुदूर अभिगम को सक्षम बनाती है। शिब्बोलेथ जैसे पहचान फेडरेशन प्रोटोकॉल का उपयोग करके, इन्फेड छात्रों, संकाय और शोधकर्ताओं को अपने संस्थागत क्रेडेंशियल्स के साथ एकल साइन-ऑन (एसएसओ) के माध्यम से लॉग इन करने की अनुमति देता है, यहाँ तक कि ऑफ-कैंपस स्थानों से भी। भाग लेने वाले संस्थान या तो अपने स्वयं के पहचान प्रदाता (आईडीपी) की मेजबानी करते हैं या इन्फेड की केंद्रीय आईडीपी सेवा का उपयोग करते हैं, जिससे यह उन संस्थानों के लिए विशेष रूप से उपयोगी हो जाता है जिनके पास स्थिर आईपी या मजबूत आईटी बुनियादी ढांचे की कमी हैं।

एपीसी सहायता
लेख प्रकाशन शुल्क / लेख प्रसंस्करण शुल्क (APC)

यह एक राष्ट्र एक सदस्यता (ओएनओएस) योजना के प्रमुख घटकों में से एक है। जिसमें चयनित उच्च गुणवत्ता वाली 'ओपन एक्सेस ' पत्रिकाओं के लिए एपीसी का भुगतान, ओएनओएस की कार्यान्वयन एजेंसी के माध्यम से केंद्रीय रूप से किया जाता है। इसके अंतर्गत केवल उच्च श्रेणी की & गोल्ड ओपन एक्सेस & पत्रिकाओं को ही शामिल की जाती है, जिनकी सूची समय-समय पर अपडेट की जाती है। **https://onos.gov.in/apc-support**

प्रकाशकों की सूची
13,000+ जर्नल के शीर्षक

प्रकाशक	जर्नल
Science AAAS	1
ACM Digital Library	158
ACS Publications	90
AIAA	8
AIP Publishing	28
American Mathematical Society	9
APS Physical Review Journals	15
American Society for Microbiology	16
Annual Reviews	51
ASCE Library	36
ASME Digital Collection	38
Bentham Science	118
BMJ Journals	38
Cambridge University Press	441
Cold Spring Harbor Laboratory	8
ScienceDirect	2389
Emerald Publishing	311
ICE Virtual Library	34
IEEE Xplore	210
IndianJournals.com	253
IOPscience	90
Lippincott Williams & Wilkins	305
Oxford University Press	376
Project MUSE	751
Sage Journals	1097
SPIE Digital Library	16
Springer Nature	2404
Taylor & Francis	2548
Thieme	47
Wiley Online Library	1332

ओएनओएस – ज्ञान खोजक

ओएनओएस ज्ञान खोजक उपयोगकर्ताओं को ओएनओएस के अंतर्गत उपलब्ध विभिन्न प्रकाशकों के शैक्षणिक संसाधनों को खोजने और अभिगम करने में मदद करता है। उपयोगकर्ता शीर्षक, लेखक, विषय, जर्नल शीर्षक और आईएसबीएन जैसी मेटाडेटा का उपयोग करके खोज कर सकते हैं। यह प्रणाली सीधे पूर्ण-पाठ सामग्री को कड़ी प्रदान करती है, जिससे ओएनओएस में शामिल संस्थानों के छात्रों, शिक्षकों और शोधकर्ताओं के लिए अभिगम तेज़ और आसान हो जाती हैं।

खोज एवं स्वच्छंद अवलोकन

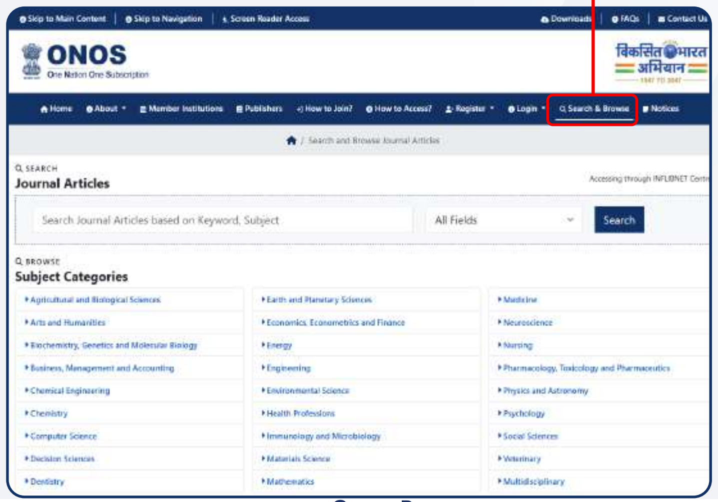

संपर्क करें

प्रो. देविका पी. माडल्ली
निदेशक, इन्फ्लिबनेट केंद्र

डॉ. अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक-ई (सी.एस)
डॉ. कृति जे त्रिवेदी, वैज्ञानिक-डी (एल.एस)
श्री दिनेश रंजन प्रधान, वैज्ञानिक-डी (सी.एस)
श्री हितेशकुमार सोलंकी, वैज्ञानिक-सी (सी.एस)
श्री राजा वी, वैज्ञानिक-सी (सी.एस)
डॉ. रोमा योगेश असनानी, एसटीओ (एल.एस)
सुश्री रोशनी एस. यादव, एसटीओ (एल.एस)

+91 79 2326 8240-45
support@onos.gov.in

सूचना एवं पुस्तकालय नेटवर्क केंद्र
(विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का एक स्वायत्त अंतर-विश्वविद्यालय केंद्र)
इन्फोसिटी, गांधीनगर 382007, गुजरात, भारत
https://www.inflibnet.ac.in/

शिक्षा मंत्रालय
भारत सरकार
Ministry of Education
Government of India

ओएनओएस
एक राष्ट्र एक सदस्यता
सभी सरकारी विश्वविद्यालय, संस्थान एवं महाविद्यालय के लिए अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक सामग्री

नोडल कार्यान्वयन एजेंसी
इन्फ्लिबनेट केंद्र

ONOS
एक राष्ट्र एक सदस्यता

- **2022** – योजना और शुरुआत
- **2023** – संरचना एवं सहभागिता
- **2024** – अंतिम रूप एवं मंत्रिमंडल की मंजूरी
- **जनवरी 2025 से आगे** – संस्थानों तक अभिगम

सरकारी संस्थाएँ 6,500+	₹6,000 करोड़ का बजट
अंतरराष्ट्रीय प्रकाशक 30	जर्नल आख्याएँ 13,000+

ONOS

एक राष्ट्र एक सदस्यता

https://www.onos.gov.in/

एक राष्ट्र एक सदस्यता (ओएनओएस) भारत सरकार की एक केंद्रीय योजना है, जिसे देश भर में विद्वतापूर्ण अनुसंधान तक लोकतांत्रिक रूप से अभिगम बनाने हेतु लागू किया गया है। यह विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, चिकित्सा (एसटीईएम), सामाजिक विज्ञान और मानविकी में 30 प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रकाशकों से 13,500 से अधिक जर्नल्स तक सहज पहुँच प्रदान करती है।

मुख्य बातें

एकीकृत अभिगम

ओएनओएस लगभग 1.8 करोड़ छात्रों, संकाय सदस्यों, शोधकर्ताओं और वैज्ञानिकों के लिए सामग्री पहुँच की सुविधा प्रदान करते हुए, 6,500 से अधिक सरकारी वित्त पोषित शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों में कई संस्थागत और संघ-आधारित अभिदानों को एक ही अनुज्ञप्ति में समेकित करता है।

नोडल एजेंसी

गांधीनगर स्थित सूचना एवं पुस्तकालय नेटवर्क (इन्फ़्लिबनेट) केंद्र, जो विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) का एक स्वायत्त अंतर-विश्वविद्यालय केंद्र है जो, ओएनओएस के कार्यान्वयन और निष्पादन के लिए नोडल एजेंसी के रूप में नामित है।

चरणबद्ध कार्यान्वयन

पहले के चरण में (2025–2027) लगभग 6,500 संस्थान शामिल हुए, जिसके बाद के आगामी चरणों में भारत के सभी व्यक्तियों के लिए अभिगम का विस्तार करने की योजना है।

अभिगम प्रबंधन

ओएनओएस पहल दो प्रकार की प्रमाणीकरण तंत्र प्रदान करता है। ई-संसाधनों तक पहुंचने के लिए इन्फेड के माध्यम से ऑफ-कैंपस अभिगम के लिए आईपी-आधारित अभिगम और शिब्बोलेथ आधारित संस्थागत पहचान प्रदाता (आईडीपी) शामिल है।

लेख प्रसंस्करण शुल्क

ओएनओएस खुले अभिगम प्रकाशनों के लिए लेख प्रसंस्करण शुल्क में छूट की योजना प्रदान करता है, जिसमें खुले अभिगम प्रकाशन को बढ़ावा मिले और भारतीय अनुसंधान की वैश्विक दृश्यता बढ़े।

प्रसार एवं क्षमता निर्माण

ओएनओएस व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम, क्षेत्रीय कार्यशालाएँ, ट्रेन-द-ट्रेनर सत्र, और छात्र सहभागिता जैसी गतिविधियाँ आयोजित करता है जिस से कि संस्थानों में जागरूकता बढ़े और संसाधनों का प्रभावी उपयोग करने के कौशल विकसित हो सकें।

ओएनओएस संसाधनों के उपयोग और उन तक पहुँच सुनिश्चित करने के लिए साप्ताहिक वेबिनार के माध्यम से निरंतर, लाइव ऑनलाइन सत्र और प्रशिक्षण प्रदान किए जाते हैं।

कैसे जुड़े

सभी सरकारी (केन्द्रीय और राज्य) उच्च शिक्षा संस्थान और केन्द्रीय सरकार के अनुसंधान एवं विकास संस्थान ओएनओएस में भाग लेने के लिए पात्र हैं ।

- पात्र संस्थानों को ओएनओएस पोर्टल पर पंजीकरण करना आवश्यक है ताकि ,उन्हें यूज़र आईडी और पासवर्ड प्राप्त हो सकें। नए पंजीकरण के लिए संस्थान का नाम, AISHE कोड और संस्थान के नोडल अधिकारी का संपर्क विवरण आवश्यक होगी।
- पंजीकरण के लिए संस्थान का AISHE कोड अनिवार्य है। जिन संस्थानों के पास AISHE कोड नहीं है, उन्हें AISHE पोर्टल (https://aishe.gov.in/) पर AISHE कोड के लिए आवेदन करने होंगे।
- मौजूदा सरकारी कंसोर्टिया उपयोगकर्ताएँ, जिनमें स्थैतिक आईपी पता रखने वाले राज्य सरकार के उच्च शिक्षा संस्थान शामिल हैं, जिसे सुचारू संक्रमण के लिए स्वचालित रूप से ओएनओएस पोर्टल में स्थानांतरित किया जा रहा है।

अधिक जानकारी के लिए

कैसे पहुँचें

स्थिर आईपी पता रखने वाले संस्थान

ऑन-कैंपस अभिगम

- परिसर-व्यापी नेटवर्क के माध्यम से अभिगम उपलब्ध होगी।
- संस्थान के कैंपस नेटवर्क से जुड़ा कोई भी कंप्यूटर, लैपटॉप या मोबाइल डिवाइस किसी भी सब्सक्राइब किए गए प्रकाशकों के लेखों तक स्वचालित रूप से अभिगम कर पाएगें।
- परिसर में प्रवेश किए गए किसी भी व्यक्तिगत उपयोगकर्ता को पंजीकरण की आवश्यकता नहीं होगी।

ऑफ-कैंपस अभिगम

- शिबोलिथ-आधारित प्रमाणीकरण के माध्यम से यूज़र आईडी और पासवर्ड का उपयोग करके ऑफ-कैंपस अभिगम सक्षम कर सकते हैं।
- इसका प्रबंधन इन्फ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर में स्थापित इन्फेड अभिगम प्रबंधन संयुक्त संघ द्वारा प्रमाणित इंस्टीट्यूट आइडेंटिटी प्रोवाइडर (आईडीपी) के माध्यम से किया जाता है।

अस्थिर आईपी पता नहीं रखने वाले महाविद्यालय और संस्थान

केन्द्रीकृत पहचान प्रदाता (आईडीपी)

- इन्फ़्लिबनेट केंद्र ऐसे संस्थानों के लिए इन्फेड का उपयोग करके एक केंद्रीकृत आईडीपी का रखरखाव करता है।
- संस्थान में पुस्तकालय/ नोडल अधिकारी इस व्यवस्था के माध्यम से उपयोगकर्ताओं का प्रबंधन करते हैं।

उपयोगकर्ता क्रेडेंशियल्स

- अधिकृत उपयोगकर्ताओं को अपने संबंधित संस्थान के पुस्तकाध्यक्ष या नोडल अधिकारी से अपने लॉगिन क्रेडेंशियल्स (यूज़र आईडी और पासवर्ड) प्राप्त करने होंगे।

*कोई भी शिक्षार्थी पात्र संस्थानों में जाकर पत्रिकाओं का उपयोग कर सकता है।

अभिगम पद्धति